भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 502

09 दिसम्बर, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देना

502. श्री संजय काका पाटील:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ख) विगत तीन वर्षों में प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा आवंटित धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस उद्देश्य के लिए कोई योजना शुरू की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कराण हैं?

उत्तर

आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आयुष मंत्रालय अपने दो स्वायत्त निकायों नामत: केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली और राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे के माध्यम से प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देता है। सीसीआरवाईएन, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। प्राकृतिक चिकित्सा के लिए प्रमुख संस्थान एनआईएन, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा से संबंधित गतिविधियों का आयोजन करता है।

सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियाँ और कार्यक्रम क्रमशः www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं।

एनआईएन के तत्वावधान में, पुणे, महाराष्ट्र में निसर्ग ग्राम नामक एक शैक्षिक संस्थान निर्माणाधीन है। इसके अलावा, सीसीआरवाईएन के अंतर्गत झज्जर, हरियाणा और नागमंगला, कर्नाटक में दो केन्द्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान संस्थान स्थापित हैं और ओपीडी कार्य कर रहे हैं। मंत्रालय द्वारा एक सूचना शिक्षा और संचार (आईईसी) योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत प्राकृतिक चिकित्सा सहित आयुष पद्धतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों तक पहुंच बनाने हेतु कदम उठाने शामिल हैं। आईईसी योजना के तहत सार्वजनिक आयोजनों, सम्मेलनों, प्रदर्शनियों, शिविरों और टीवी, रेडियो, प्रिंट-मीडिया पर कार्यक्रमों जैसी विभिन्न गतिविधियों को सहायता दी जाती है।

इसके अलावा, मंत्रालय ग्रामीण क्षेत्रों सहित देश में विभिन्न आयुष पद्धतियों (प्राकृतिक चिकित्सा सहित) के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना कार्यान्वित कर रहा है और उनकी राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें, एनएएम के दिशानिर्देश के अनुसार राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं।

(ख): एनआईएन, पुणे और सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित बजट नीचे सारणी में दिया गया है;

(रुपए लाख में)

वर्ष	**2019-20**	**2020-21**	**2021-22**
एनआईएन, पुणे को आवंटित बजट	1155.00	10276.00	6761.00
सीसीआरवाईएन, नई दिल्ली को आवंटित बजट	6327.30	4915.88	5769.25

(ग) और (घ): वर्तमान में, प्राकृतिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए कोई समर्पित केंद्रीय क्षेत्र योजना नहीं है।

*****